Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा- नौवीं
विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - एकांकी संचय

पाठ- 4 'सूखी डाली' (एकांकी) लेखक- उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

• निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

(i) "मेरे मायके में यह होता है, मेरे मायके में यह नहीं होता। अपने और अपने मायके के सामने तो वह किसी को कुछ गिनती ही नहीं। हम तो उसके लिए मूर्ख, गँवार और असभ्य हैं।"

प्रश्न (i) प्रस्तुत अवतरण किस एकांकी से लिया गया है ? उपर्युक्त पंक्तियाँ किसने, किससे, किस संदर्भ में कही हैं ?

उत्तर- प्रस्तुत अवतरण 'सूखी डाली' नामक एकांकी से लिया गया है। यह कथन इंदु ने बड़ी बहू से कहा है। वे दोनों छोटी बहू बेला के बारे में बातें कर रही हैं। बेला के विषय में इंदु के द्वारा यह वाक्य तब कहा गया है जब बेला ने घर की मिश्रानी को डाँटकर काम से हटा दिया था।

प्रश्न (ii) 'वह किसी को कुछ समझती ही नहीं' – 'वह' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसके मायके में किस प्रकार का वातावरण था ?

उत्तर- 'वह' शब्द का प्रयोग बेला के लिए किया गया है। उसके मायके में सम्पन्नता है। वह परिवार सुशिक्षित एवं संपन्न प्रतिष्ठित परिवार है। नौकर- चाकर हैं, सभी सुख हैं। उसके परिवार का समाज में प्रभाव एवं सम्मान है।

प्रश्न (iii) उसके मायके तथा ससुराल के वातावरण में क्या अंतर है ?

उत्तर- बेला के ससुराल में संयुक्त परिवार व्यवस्था है। वहाँ छोटे- बड़े आपस में एक- दूसरे का सम्मान करते हैं। उनमें आपस में प्रेम, सहयोग, सहनशीलता, सादगी और अनुशासन के पालन की भावना है। यहाँ उसे सभी का अनुशासन मानना

पड़ता है। यहाँ सादगी से भरा जीवन है।

इसके विपरीत उसके मायके में एकल परिवार है। वहाँ भावना तथा आत्मीयता भरे व्यवहार को कम तथा शान-शौकत, सम्पन्नता तथा शहरी वातावरण की चमक-धमक को ज्यादा महत्व दिया जाता है।

बेला को अपने ससुराल की सादगी की भावना, पुराने विचार, पुराना सामान और नौकरों को अधिक सम्मान देने की बात पसंद नहीं है।

प्रश्न (iv) उसका मन ससुराल में क्यों नहीं लगता? वह अपनी गृहस्थी अलग बसाने के लिए क्या चाहती है?

उत्तर - बेला एक प्रतिष्ठित, सम्पन्न और सुशिक्षित परिवार की बेटी है। वह पढ़ी-लिखी है, वह एक बी. ए. पास लड़की है। वह अपने मायके में आदर पाती आई है माता-पिता की इकलौती संतान होने के कारण राज करती आई है। किन्तु ससुराल में वह केवल छोटी बहू है। यहाँ उसे हर एक का आदर करना पड़ता है, हर एक से दबना पड़ता है, हर एक का आदेश मानना पड़ता है। यहाँ उसका व्यक्तित्व दबकर रह गया है, इसलिए उसका मन यहाँ नहीं लगता है।

बेला अपनी गृहस्थी अलग बसाने के लिए यह चाहती है कि बाग वाला मकान उसे मिल जाए ताकि वह सुख और शांति से रह सके, जहाँ उसे कोई रोकने-टोकने वाला न हो।

(2) "वह तमीज़ तो बस आप लोगों को है। मैंने कहा तुम तो लड़ती हो। मैं तो सिर्फ़ यह कहना चाहती थी कि नौकरों से काम लेने का भी ढंग होता है।"

प्रश्न (i) वक्ता और श्रोता कौन हैं? कथन का आशय संदर्भ सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - प्रस्तुत कथन में मूल रूप से वक्ता इंदु है और इस समय वह अपनी बड़ी भाभी (जो परिवार में सबसे बड़ी बहू है और छोटी बहू बेला की जेठानी है) से बेला की शिकायत कर रही है कि अभी कुछ देर पहले बेला ने घर की मिश्रानी रजवा को डाँट-डपटकर काम से निकाल दिया है। रजवा बेचारी बेला के कमरे के बाहर

खड़ी रो रही थी। उसे रोते हुए देखकर इंदु ने बेला को समझाया कि रजवा दस सालों से घर का सब काम कर रही है, ऐसा कोई काम नहीं है जो उसे न आता हो। बेला की दृष्टि में रजवा को झाड़ू-पोंछा करना भी नहीं आता है। तब इंदु ने बेला से कहा कि भाभी नौकर से काम लेने की तमीज़ होनी चाहिए। उसकी बात सुनकर बेला झट से बोली कि "वह तमीज़ तो बस आप लोगों को है।" इन्दु इसी बात की शिकायत बड़ी बहू से कर रही है। इन्दु यह कहना चाह रही है कि बेला समझती है कि हम लोगों को नौकरों से काम लेना नहीं आता है इसलिए हमारे नौकर भी ढंग से काम नहीं करते हैं।

प्रश्न (ii) 'तुम तो लड़ती हो', ऐसा किसने कहा? इस कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'तुम तो लड़ती हो' – ऐसा परिवार में सबसे छोटी इन्दु ने कहा। इन्दु परिवार की एकमात्र ऐसी स्त्री सदस्या है जिसने पाँचवी कक्षा उत्तीर्ण की है। घर में सब उसकी बात मानते हैं। इसी कारण उसने नौकरों के कामकाज में कमी निकालने वाली नई भाभी (बेला) के कार्य व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि तुम तो लड़ती हो।

प्रश्न (iii) वक्ता का परिचय दीजिए।

उत्तर - प्रस्तुत कथन की वक्ता इन्दु है। वह घर में सबसे छोटी है और सबकी चहेती है। इस समय वह बड़ी बहू से बेला के द्वारा रजवा के साथ किए बहुत बुरे व्यवहार के कारण दुःखी है। इस समय वह इसी बात की शिकायत बड़ी बहू से कर रही है।

इन्दु दादा मूलराज की पोती है, जिसे वे बहुत प्यार करते हैं। वह छोटी भाभी की बेटी, परेश की इकलौती बहन और बेला की ननद है, जिसका विवाह अभी नहीं हुआ है। उसे अपनी भाभी बेला का कोई भी व्यवहार पसंद नहीं है। इसलिए वह बेला को ताने देने से नहीं चूकती है। लेकिन जब दादाजी उसे समझाते हैं और छोटी बहू के साथ सही ढंग से पेश आने को कहते हैं तब वह मान जाती है और अपनी भाभी का आदर करने लगती है, उसका काम भी करने लगती है। इंदु का स्वभाव

वैसा ही है जैसा परिवार में एक छोटी पुत्री का होता है। एकांकी के अंत में इंदु और बेला में मित्रता हो जाती है।

प्रश्न (iv) "वह तमीज़ तो बस आप लोगों को है" — इस कथन से वक्ता के स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर- उपर्युक्त कथन बेला ने कहा है। वह लाहौर के एक प्रतिष्ठित तथा संपन्न कुल की सुशिक्षित लड़की है। वह इकलौती संतान है इसलिए उसे संयुक्त परिवार में रहने तथा कस्बे के जीवन का वातावरण ज़रा भी पसंद नहीं है। इसलिए तुनक कर तीखे और बेतुके असभ्यतापूर्ण जवाब देने से नहीं चूकती है। साथ ही उसके स्वभाव में एक स्त्री-सुलभ विशेषता यह है कि वह अपने मायके का गुणगान करती रहती है। वह यह कहना चाहती है कि यहाँ के नौकरों को साफ़-सफ़ाई तथा काम करने का ढंग पता नहीं है। बेला के इस कथन से उसके तुनक-मिज़ाज़ होने का भी संकेत मिलता है।

[अंतिम पृष्ठ]